केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ३ मार्च, २०१९ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (४)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (५)	
	११ (८)	
	१२ (८)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. सत्संगिजीवन ग्रंथ की रचना

२. खेत में हल चलाते पर्वतभाई को अवतारों के दर्शन

३. वरताल में गुणातीतानन्द स्वामी को डाँट

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. जो मूर्तिमान है वह व्यापक कैसे हैं?
२. परम कल्याण का साधन : भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानना।
३. सद्‌गुरु गुणातीतानन्द स्वामी मूल अक्षर क्यों हैं? : शास्त्रीय प्रमाण

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ | |

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)

१. वेदांत के कितने ही ग्रंथ पढ़े और सुने हैं, तो भी यह प्रतीति नहीं मिटती। गुण : १ [ ]

....

२. इनमें से एक तो निराकार, एकरस-चैतन्य है। उसे चिदाकाश और ब्रह्मधाम कहते हैं। गुण : १ [ ]

....

३. मेरा यह अवतार है सो तो जीवोकुं ब्रह्मरूप करके आत्यंतिक मुक्ति देने के वास्ते अक्षरातीत पुरुषोत्तम जो हम वह मनुष्य जैसा बन्या हूँ। गुण : १ [ ]

....

४. मोक्ष के दाता, भगवान और साधु ये दो ही हैं। गुण : १ [ ]

....

५. लेकिन कोई इस फूल तक नहीं पहुँचता। गुण : १ [ ]

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. अक्षररूप होकर पुरुषोत्तम की उपासना | गुण : २ |

(१) ☐ तब भी श्रीकृष्ण-रूक्ष्मणी सेवक मंडल के साथ हैं ऐसी भावना करनी चाहिए।

(२) ☐ विभीषण जैसा भक्त बनना चाहिए।

(३) ☐ श्रीजीमहाराज से द्रोह करे तो उसका सिर अलग होगा ही।

(४) ☐ उत्तम भक्त पार्षद का द्रोह होगा, तो नाक-कान कटवाएगा।

२. गुणातीतानन्द स्वामी ''अक्षर है'' ऐसी पहचान कराने वाले संत | गुण : २ |

(१) ☐ गोपालानंद स्वामी

(२) ☐ नृसिंहानंद स्वामी

(३) ☐ धर्मजीवनदास स्वामी

(४) ☐ व्यापकानंद स्वामी

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं <u>दो</u> विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. अक्षरब्रह्म : साकार मूर्तिमान सदा दिव्यविग्रह

२. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता

३. 'भगवान सर्वोपरि हैं' यह निष्ठा आवश्यक है

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

गुण : ४

( )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. आत्यंतिक मुक्ति हेतु ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता है।

२. उपासना से ही मोक्ष है।

३. भगवान को निराकार समझना पंच महापापों की अपेक्षा भी बहुत बड़ा पाप है।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ६ गुण – ८		नाम

(   ) ....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. सगुण और निर्गुणरूप .....

..... सूक्ष्म है। गुण : १

२. पुरुषोत्तम नारायण की .....

..... अद्वितीय है। गुण : १

३. अक्षरब्रह्म एक ही है .....

..... रूप में रहता है। गुण : १

४. इस लोक में से .....

..... प्रकट हैं। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. सद्गुरु गुणातीतानंद स्वामी के .....

..... कह सकते हैं, नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. अकेले अक्षरब्रह्म ही हैं। .....

..... रह सकते हैं, नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. वचनामृतादि सत्शास्त्रों का .....

..... समझाया जा सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए। – श्रीजीमहाराज के मुख से गुणातीतानन्द स्वामी की अपूर्व महिमा **(कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞		☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम	प्र - १० गुण - ५		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''तुम विवाहित हो, अतः तुम्हारे धर्मपत्नी की, तुम्हारे स्वजनों की भी संमति लिखित रूप में चाहिए।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इसके बाद जो दो दैवी पुरुष मिले वे दो देवता थे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''तुम अपने खर्च की व्यवस्था किस प्रकार करते हो?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. पर्वतभाई कैसे सत्संगी थे? गुण : १

.....

२. शिवलालभाई क्यों निःस्पृह भाव से रह सकते थे? गुण : १

.....

३. धर्मपुर में भीलों के ऊपर रंग उड़ाकर महाराज ने क्या कहा? गुण : १

.....

४. सेवक संतोंने स्वामीश्री को कुल्ला करने के लिए कौन सा जल दिया? गुण : १

.....

५. आस्टन शहर में नगरयात्रा में स्वामीश्री की बग्धी के लिए कौन सा घोडा प्रस्तुत किया था? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. सदाव्रत के लिए पर्वतभाई कितने मन अनाज लाए थे ? | गुण : २ |

(१) ☐ ४६२ मन

(२) ☐ ६५२ मन

(३) ☐ २५६ मन

(४) ☐ ५२६ मन

२. ईडर के राजा ने विप्रों पर करबोज डाला। | गुण : २ |

(१) ☐ तीन रूपये

(२) ☐ सात रूपये

(३) ☐ पाँच रूपये

(४) ☐ आठ रूपये

३. नि:स्वादी महापुरुष | गुण : २ |

(१) ☐ कार्डीफ

(२) ☐ मलाई की कढ़ी

(३) ☐ संतों ने ग्रहण किया तो मुझे क्या हर्ज हो सकता है।

(४) ☐ पार्षदों के मन में चिन्ता हुई।

४. स्वामीश्री की प्रभुभक्ति | गुण : २ |

(१) ☐ शहर

(२) ☐ प्रचण्ड सर्दी

(३) ☐ हरिभक्तों को दिया।

(४) ☐ सेवक संत पानी का गिलास लेकर आए।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ८		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. रामानंद स्वामी ने लालजी सुतार को पूछा, ''आप यहाँ क्यों आए?'' **अथवा**

२. मुक्तानन्द स्वामी ने ''छांडी के श्रीकृष्ण देव.....'' कीर्तन रचा।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. सत्पुरुष के लिए भाषा के कोई बंधन नहीं होते ! **अथवा**

४. दूसरे दिन समाचार पत्रों में पत्रकारों के साथ स्वामीश्री की वार्ता और आन्दोलन खत्म होने के समाचार छपे थे।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. कुशलकुंवरबा की प्रत्यक्ष भगवान के विषय की समज **अथवा**

२. रघुवीरजी महाराज ने 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ की कथा बिठाई

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. जीवन की अस्मिता का झंकार **अथवा**

४. वैरभाव के स्थान पर मानवता के स्वर गूँजेगे तब विकास गतिमान होगा

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. योगी युवक उपवास कालेज
२. न्यूजीलेन्ड में स्वामीश्री की सत्संगवर्षा
३. बालमानस में खीलते हुए : ध्यान - मानसीपूजा

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें